

## पाठ - 13 एक तिनका

**उत्तर1:** (क) एक दिन जब मैं अपनी छत की मुंडेर पर खड़ा था।

(ख) आँख में तिनका चले जाने के कारण आँख लाल होकर दुखने लगी।

(ग) बेचारी ऐंठ दबे पावों भागी।

(घ) किसी तरीके से आँख से तिनका निकाला गया।

**उत्तर2:** 'एक तिनका' कविता में 'हरिऔध' जी ने उस समय की घटना का वर्णन किया है, जब कवि अपने-आप को श्रेष्ठ समझने लगा था। उसके इस घमंड को एक छोटे से तिनके ने चूर-चूर कर दिया। उस छोटे से तिनके के कारण कवि की नाक में दम हो गया था। उस तिनके को निकालने के लिए कई प्रयास किए गए और जब किसी तरीके से वह निकल गया तो कवि को समझ आया कि उसका अभिमान तोड़ने के लिए एक छोटा तिनका भी बहुत है। अतः कवि और तिनके के उदाहरण द्वारा इस कविता में हमें घमंड न करने की सीख दी गई है।

**उत्तर3:** आँख में तिनका पड़ने के बाद घमंडी की आँख दर्द के कारण लाल हो गई। वह बैचैन हो उठा और किसी भी तरह से आँख से तिनका निकालने का प्रयत्न करने लगा।

**उत्तर4:** घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास लोगों ने कपड़े की मूँठ बनाकर उसकी आँख पर लगाकर तिनका निकालने का प्रयास किया।

**उत्तर5:** इन दोनों काव्यांश में यह समानता है कि दोनों में ही तिनके के उदाहरण द्वारा यह समझाने का प्रयास किया है कि एक छोटा-सा तिनका भी मनुष्य को परेशानी में डाल सकता है।

इन दोनों काव्यांश में यह अंतर है कि जहाँ कवि हरिऔधजी जी ने हमें घमंड न करने की सीख दी है वहीं कबीरजी ने हमें किसी को भी तुच्छ न समझने की सीख दी है।

## • भाषा की बात

**उत्तर1:** क) मेढ़क पानी में छप से कूद गया।

ख) नल बंद होने के बाद पानी की एक बूँद टप से चू गई।

ग) शोर होते ही चिड़िया फुर्र से उड़ी।

घ) ठंडी हवा सन् से गुजरी, मैं ठंड में थर्र से काँप गया।